138

MARJ–03

December – Examination 2020

M.A. (Previous) Examination

RAJASTHANI

राजस्थानी साहित्य रौ इतिहास

Paper : MARJ-03

*Time : **2** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- औ पेपर खण्ड-'अ' अर 'ब' दो खण्डां में बंट्योड़ौ है। हरेक खण्ड रै साम्हीं दियोड़ा निर्देस रै मुजब सवालां रौ पड़ूत्तर लिखणौ है।

खण्ड—अ **8×2=16**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड रा सगळा सवालां रौ पड़ूत्तर देवणौ जरूरी है। सबद सीमा अधिकतम **30** सबद है।

1. (i) भारतीय भासावां रौ विकास काल कितरा भागां में बांट्यौ जावै ?

   (ii) उद्योतन सूरि रचित ग्रंथ रौ नांव लिखौ।

(iii) हाड़ौती बोली रौ बोली खेतर स्पस्ट करौ।

(iv) राजस्थानी भासा री जूनी लिपि रौ नांव लिखौ।

(v) राजस्थानी भासा रौ वीर काव्य किण काव्यसैली में रचित है ?

(vi) प्रत्यय कितरी भांत रा हुवै ?

(vii) 'आडै हाथां लेवणौ' मुहावरै रौ भावार्थ स्पस्ट करौ।

(viii) राजस्थानी भासा में व्यंजन ध्वनियां किण नांव सूं औळखी जावै ?

खण्ड—ब **4×16=64**

(लघूत्तरात्मक सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड में सूं किणी **चार** सवालां रौ जवाब देवणौ है। सबद सीमा **200** सबद है।

2. 'प्राकृत' भासा री सामान्य विसेसतावां उजागर करौ।

3. प्राचीन राजस्थानी बाबत जाणकारीपरक टीप लिखौ।

4. मारवाड़ी बोली अर उणरै बोलीखेतर री जाणकारी करावौ।

5. 'समास' रौ अरथ उणरा भेद विस्तार सूं समझावौ।

6. 'संज्ञा' रौ अरथ अर भेद स्पस्ट करौ।

7. आदिकालीन गद्य रचनावां अर रचनाकारां बाबत आपरी जाणकारी स्पष्ट करौ।

8. आदिकालीन चरित काव्य धारा बाबत जाणकारीपरक टीप लिखौ।

9. आधुनिक राजस्थानी प्रकृति काव्य बाबत जाणकारी करावौ।

10. राजस्थानी रा आधुनिक कहाणीकारां अर वांरी पोथियां रौ नांवोल्लेख करौ।